निवेश को बढ़ावा देकर डेढ़ करोड़ और युवाओं को रोजगार देने की तैयारी

बढ़ती आबादी के साथ लोगों को रोजगार, आवास तथा स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के मामले में उत्तर प्रदेश ने अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण पेश किया है। पिछले कुछ वर्षों में 19 लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने वाले उत्तर प्रदेश ने हर क्षेत्र में रोजगार सृजन की योजनाओं पर काम शुरू किया है। प्रदेश में जनसंख्या नियोजन के प्रयासों पर नजर डाल रहे हैं दैनिक जागरण के प्रमुख संवाददाता मनोज त्रिपाठी-

- जनसंख्या नियोजन का बेहतर माडल बन रहा है उत्तर प्रदेश
- हर क्षेत्र में रोजगार सृजन की योजनाओं पर हो रहा काम

विदेश में भी दिला रहे रोजगार

जनसंख्या नियोजन

उत्तर प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए सरकार ने व्यवसायिक शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा पर भी पूरा फोकस किया है। इजरायल में 5,600 युवाओं को रोजगार दिलाया गया है। 1385 और युवाओं का चयन हो चुका है। इन्हें जनवरी में 1.37 लाख रुपये प्रति माह के वेतन पर इजरायल भेजा जाएगा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग ने अन्य देशों में भी रोजगार की संभावनाओं पर नजर रखनी शुरू कर दी है। इस संदर्भ में आधा दर्जन देशों से संपर्क किया जा रहा है। सात लाख युवाओं को विभिन्न पदों पर अलग-अलग श्रेणियों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ 12 लाख से ज्यादा युवाओं को निजी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

पुलिस में 60 हजार से ज्यादा पदों पर सिपाहियों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है। इन्हें भी नए वर्ष में सरकारी नौकरी ज्वाइन करने का मौका मिलेगा। वहीं 40 हजार और पुलिसकर्मियों की भर्ती जल्द किए जाने की तैयारी की जा रही है। सरकार ने निजी क्षेत्र में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आमंत्रित किया है। इस निवेश से डेढ़ करोड़ युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीदें हैं।

एमएसएमई सेक्टर पर फोकस : सरकार ने रोजगार मुहैया कराने के लिए एमएसएमई सेक्टर की कंपनियों को बढ़ावा दिया है। इसके चलते बीते चार वर्षों में 3,08,331 एमएसएमई इकाइयों ने 9,51,800 लोगों को रोजगार दिया है। निवेश को लेकर आयोजित जीबीसी-4 में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारने का काम भी तेजी के साथ किया जा रहा है। इस निवेश के पूरा होने के बाद प्रदेश के 34 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उत्तर प्रदेश को सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार ने सेमी कंडक्टर नीति बनाई है। सेमी कंडक्टर के क्षेत्र में 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद जतायी जा रही है।

पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध कराए जा रहे रोजगार के अवसर : पर्यटकों की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। वर्ष 2023 प्रदेश में 48 करोड़ पर्यटकों ने भ्रमण किया था। वर्ष 2024 में जनवरी से सितंबर तक 47 करोड़ से ज्यादा पर्यटक प्रदेश का भ्रमण कर चुके हैं। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से पर्यटन स्थलों के पास रहने वाले स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हुए हैं। गांवों से हो रहे पलायन को रोकने में यह योजना कारगर सिद्ध हो रही है। वहीं होम स्टे की सुविधा को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा लोगों को कमाई के साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। होम स्टे के लिए प्रदेश के 229 गांवों को चिह्नित किया जा चुका है।

जनसंख्या नियोजन के लिए किए जा रहे अन्य प्रयास

- श्रम एवं सेवायोजन विभाग द्वारा निजी क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए 9,500 रोजगार मेले लगाए जा चुके है।
- प्रदेश में 15 लाख अति गरीब परिवार किए जा रहे चिह्नित। इन्हें वर्ष 2025 में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।
- नए वर्ष में पुलिस में 25 हजार युवतियों को नौकरी देने की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है।
- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का पोर्टल शुरू किया गया है। इस योजना से 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार मिलने की उम्मीद है।
- महिला श्रमिकों को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष योजनाए शुरू की गई हैं। पाटरी, कारपेट, पीतल, और ताला उद्योग में महिला श्रमिकों को रोजगार के विशेष अवसर दिए गए है।
- आइटी और वस्त्रोद्योग में काम के घंटों को आठ से बढ़ाकर 12 किया।